आकाशवाणी केन्द्र शिमला

06.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1800बजे

सीएम–आग्रह

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने केन्द्र सरकार से किन्नौर ज़िले में शिपकी–ला मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने की संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया है। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे एक पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि शिपकी–ला क्षेत्र वर्तमान सीमाओं से पूर्व भारत–तिब्बत व्यापार का महत्वपूर्ण मार्ग रहा है। उन्होंने कहा कि रामपुर और पूह से शिपकी–ला तक पहले से ही सड़क सुविधा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिपकी–ला मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने का कदम किन्नौर के जनजातीय लोगों के उत्थान में भी दूरगामी भूमिका निभाएगा।

राज्यपाल

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने राजभवन शिमला से आपदा प्रभावित मण्डी ज़िले के लिए राहत सामग्री से भरे 3 वाहनों को आज रवाना किया। इन वाहनों में प्रभावित परिवारों के लिए कम्बल, तिरपाल और किचन सैट सहित अन्य सामग्री शामिल है। राज्यपाल ने कहा कि इस आपदा से मण्डी ज़िले में भारी क्षति हुई है जिससे उबरने में काफी समय लग जाएगा। उन्होंने समाज के सभी लोगों से प्रभावितों की मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया है।

प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में बार–बार होने वाली प्राकृतिक आपदाओं पर चिंता जताते हुए राज्यपाल ने नागरिकों के बीच पर्यावरण के प्रति जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया।

कंगना रनौत

इस बीच, मण्डी से भाजपा सांसद कंगना रनौत ने आज सराज विधानसभा क्षेत्र के आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने थुनाग बाज़ार में भी नुकसान का जायज़ा लिया। उन्होंने कहा कि सराज क्षेत्र में आपदा से भारी नुकसान हुआ है और ऐसे में हम सभी को प्रभावितों की मदद करने की ज़रूरत है। कंगना रनौत ने कहा कि वे स्वयं केन्द्र सरकार के समक्ष आपदा प्रभावितों के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग रखेंगी। इसके अलावा प्रभावितों के पुनर्वास और पुनर्स्थापना का आग्रह भी केन्द्र सरकार से किया जाएगा। विपक्ष के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी इस दौरान मौजूद रहे।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में आज हल्के बादल छाए हुए हैं। हालांकि मॉनसून की सक्रियता के चलते सुबह के समय कुछ क्षेत्रों में वर्षा भी हुई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई जिलों में भारी वर्षा का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में भारी वर्षा को लेकर रेड

अलर्ट जबकि लाहौल–स्पीति व किन्नौर को छोड़कर अन्य सभी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अधिक बारिश की आशंका को देखते हुए बादल फटने और भूस्खलन जैसी घटनाएं हो रही है, जिसके चलते प्रशासन द्वारा लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

नुकसान

इस बीच मंडी व चंबा जिलों में बादल फटने की सूचना है। हमारे संवाददाता के अनुसार चंबा जिला के चुराह उपमंडल के तहत बघेईगढ़ नाले में बादल फटने से नकरोड़–चांजू मुख्य मार्ग पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया। ग्राम पंचायत चरड़ा, चांजू, देहरा, बघेईगढ़ सड़क मुख्य मार्ग से कट कई है। वहीं दूसरी ओर मंडी ज़िले में पधर उपमण्डल के कोतरंग गांव में बीती रात हुई बादल फटने की घटना में 3 पैदल पुलों सहित एक वाहन योग्य पुल बह गया। इस घटना में स्थानीय लोगों की करीब 50 बीघा भूमि भी बाढ़ में बह गई है। पधर के एस.डी.एम. सुरजीत सिंह ने आज इस गांव का दौरा कर नुकसान का जायज़ा लिया। उन्होंने प्रशासन की ओर से प्रभावितों को 17 तिरपाल वितरित किए।

भाजपा

मण्डी ज़िले के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भाजपा ने पिछले 48 घंटों में 2 हज़ार से अधिक राहत किटें प्रभावितों तक पहुंचाई हैं। पार्टी अध्यक्ष राजीव बिंदल ने बताया कि कल पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा 5 हज़ार से अधिक राहत किटें प्रभावित इलाकों में पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि राहत किटें पहुंचाने के कार्य की देखरेख के लिए 3 टीमें बनाई गई हैं।

.....